30/5/19

आज [illegible] /एस.डी.एम
साहब [illegible] पर है ।
पेशी इस्तगासा की जाकर पत्रावली
मारीख 27/6/19 को पेश हो ।

27/6/19 पत्रावली पेश श्री वकील साहब वादिनी तथा प्रतिवादिनी अ०/वादिनी निशाना पेश कर निवेदन किया कि हमारा आपस में राजीनामा हो गया है अतः वाद की आगे नहीं चलाना चाहते हैं वादखर्चे मेरे खाते पर लगाया जावे। वकील वादिनी व वादिनी की कथनानुसार वाद खर्चे मेरे खाते में लगाया जाता है निपटारा शुमार छूट पत्रावली खत्म की जावे।

(रजनी गहलोत)
R.A.S.

अ०नि०
(रघुवीर सिंह)

अ०नि०
प्रतिवादिया
(सुआ कुंवर)

Scanned by CamScanner